Date-12/5/2020

M.A.2nd sem.paper neo classical theories

Department of sociology

By Miss. Chhaya

Q.1. समाजशास्त्र में प्रकार्य की अवधारणा का प्रयोग 19वीं शताब्दी में किसने किया?

Q.2.किसने कहा है कि प्रकार्यवाद के सामाजिक सांस्कृतिक तत्वों का अध्ययन संपूर्ण समाज एवं संस्कृति के संदर्भ में किया गया?

Q.3. "प्रकार्य ही आंशिक क्रिया द्वारा उस संपूर्ण क्रिया को दिया जाने वाला योगदान है जिसका की वह एक भाग है" किसका कथन है?

Q.4. "प्रकार्य वे अवलोकित परिणाम है जोकि सामाजिक व्यवस्था के अनुकूलन या सामंजस्य को बढ़ाते हैं" किसका कथन है?

Q.5. किसने कहा है कि समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति जिन गतिविधियों द्वारा होती है उन्हे ही आप प्रकार्य कहते हैं?

Q.6. किसने प्रकार्यवाद को व्यक्तिवादी प्रकार्य कहां है?

Q.7. प्रकार्यवाद की दो विशेषताएं बताइए?

Q.8. नव प्रकार्यवाद की अवधारणा किसने दी?

Q.9. आवश्यकताओं का सिद्धांत किसने दिया?

Q.10.सार्वभौमिक प्रकार्यवाद की अवधारणा किसने दी?

नोट सभी प्रश्नों के अंक समान हैं सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं सभी प्रश्नों को हल करके मेरे व्हाट्सएप पर सेंड करने का कष्ट करें